JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"षिक्षको के व्यवसायिक प्रतिबद्धता पर उनके शैक्षिक प्रर्दषन मूल्यांकन के प्रभाव का अध्ययन"

शोधार्थी
जूही पीटर

शोध निर्देशक
डॉ. शबनम
सहायक प्राध्यापक (षिक्षा)
सेन्ट थॉमस महाविद्यालय,
भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

सह–शोध निर्देशक
डॉ. शबाना
सहायक प्राध्यापक (षिक्षा)
कल्याण स्नातकोत्तर
महाविद्यालय,भिलाई (छ.ग.)

सार :–

प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ राज्य के दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विधालय के षिक्षको की व्यवसायिक प्रतिबद्धता पर उनके शैक्षिक प्रर्दषन मुल्यांकन के प्रभाव का अध्ययन किया गया इस अध्ययन हेतू न्यार्दष हेतू 200 षिक्षको का उददे्ष्य पूर्ण यादृच्दिृक विधि द्वारा चयन किया गया षिक्षको के व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मापन हेतू रविन्दर कौर सखजीत कौर रानू सरबजीत कौर बरार द्वारा निर्मित व्यवसायिक प्रतिबद्धता मापनी एवं शैक्षिक प्रर्दषन मूल्यांकन हेतू स्वर्निमित प्रष्नावली सूची तैयार की गई जिसमें षिक्षकों के शैक्षिक प्रर्दषन का मूल्यांकन समीक्षा षिक्षण की उत्कृष्टता पहचान सीखने के अनुभव में सुधार सुदृढ़ करना षिक्षको को विद्यार्थियो के परिणामों पर ध्यान केन्द्रीत करने में मदद, षैक्षिक गतिविधियों की योजना तैयार करना, तथा कार्य में सुग्राहिता लाना।

प्रस्तावना :–

आज के बदलते परिवेष में षिक्षण को एक उच्चतम व्यवसायिक प्रक्रिया समझा जाने लगा है। षिक्षक का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य अपने छात्रों के लिये शैक्षिक लक्ष्य तथा विषिष्ट उद्देष्यों की रचना करना और उन्ही के अनुसार छात्रों के व्यवहार में आपेक्षित परिवर्तन लाने का प्रयास करना क्योकि षिक्षण प्रक्रिया में षिक्षकों की केन्द्रीय भूमिका होती है। अतः षिक्षण के दौरान कक्षा प्रर्दषन बेहतर व प्रभावषाली होना चाहिये जिससे अध्येता अपने ज्ञान को विकसित कर सके क्योकि षिक्षको का दृष्टिकोण योग्यता षिक्षण पद्धति विषय में निपूर्णता व्यक्तिगत विषेषताये कक्षा का वातावरण शामिल है। षिक्षकों के षिक्षण प्रर्दषन की भूमिका द्वारा विधार्थयो में सीखने वृद्धि और विकास को सुविधाजनक बनाने प्रभावी पाठों की योजना बनाना व प्रदान करना विधार्थियो के मूल्यांकन व प्रगति का आकंलन समावेषी और सकारात्मक कक्षा वातावरण तैयार करना साथ ही षिक्षको में षिक्षण व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता भी आवष्यक है। एक प्रभावी षिक्षक न केवल अपने विधार्थियों के प्रति बल्कि समग्र रूप से षिक्षण व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता होने चाहिये अर्थात षिक्षक नियमो विनियमो का पालन करे षिक्षण व्यवसाय के सिद्धांतो और आवष्यकताओं को अपनाये क्योकि षिक्षक एक समन्वयक है। वह सीखने सिखाने के ऐसे वातावरण का निर्माण करता है। जिससे विधार्थी स्वयं अपनी वास्तविक विकसित क्षमता का एहसास कर ज्ञान निर्माण में वृद्धि कर सके। षिक्षक एक शोधकर्ता एक्षन रिर्सचर, प्लानर, प्रबंधक विषय वस्तु उपलब्ध करने वाला फैसीलिटेटर, लीडर, सह–निर्माण आदि जैसे रोल निभाता है। षिक्षक का लक्ष्य गुणवता पूर्ण षिक्षा को बढाना पूरे समुदाय के लाभ के लिये कार्य करना चलाने फिरते सिखाना व कार्यो

में सुधार करना। एक षिक्षक का सर्मपण शैक्षिक लक्ष्यों को आकार देने शैक्षिक प्रर्दषन मुल्यांकन के आधार पर पाठ्यक्रम षिक्षण विधियों, सहायक सामग्री आदि में आवष्यक सुधार करने में मदद करता है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता षिक्षक की भावना है। जिसमें वह अपने व्यवसाय से जुडा रहता है। जिसमें स्थिरता व्यवसायिक निष्ठा दक्षता जैसे मानको एवं नैतिकता के अनुरूप होता है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता एवं निष्ठा का आंतरिक आयाम भावनात्मक घटक है, इसमें व्यवसाय के प्रतिदेख रेख सम्बधता और प्रतिबद्धता की भावना शामिल है। यह वह आयाम है। जिसे संरक्षण देना और लागु करना चाहिये इससे षिक्षकों का प्रतिधारणा स्तर बढता है। क्योकि षिक्षकों की भूमिका स्कूल की सफलता की कूंजी है भविष्य का अभिन्न अंग बनने के लिये उन्हे सर्मपित बनाती है। षिक्षको की अपने अध्यापन व्यवसाय के प्रति रूचि निष्ठा समाज कल्याण के प्रति षिक्षक की उच्च व्यवसायिक प्रतिबद्धता को दर्षाता है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता शैक्षिक प्रर्दषन मूल्यांकन में निर्णायक भूमिका निभाती है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता षिक्षको की मानसिकता को संर्दभित करती है जो वफादारी को दर्षाती है।

उद्देष्य :–उच्चतर माध्यमिक विधालय के षिक्षको की व्यवसायिक प्रतिबद्धता एवं शैक्षिक प्रर्दषन एवं मूल्यांकन के मध्य सह सम्बंध ज्ञात करना।

अध्ययन की परिकल्पना :–

H_{01} उच्चतर माध्यमिक विधालय के षिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता एवं शैक्षिक प्रर्दषन मूल्यांकन के मध्य सार्थक सह–सम्बंध नही पाया जायेगा।

अध्ययन की परिसीमा :–

1. प्रस्तुत अध्ययन छतीसगढ राज्य के दुर्ग जिले तक ही सीमित है।
2. प्रस्तुत अध्ययन दुर्ग जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विधालय के षिक्षकों तक ही सीमित है।
3. प्रस्तुत अध्ययन छतीसगढ राज्य द्वारा नियंत्रित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 11वी एवं 12वी के षिक्षकों तक ही सीमित है।

शोध प्रविधि :–

न्यादर्ष :– न्यार्दष हेतू दुर्ग जिले के तीनो विकास खण्ड (दुर्ग, धमधा, पाटन) के 200 षिक्षकों का चयन उद्देष्य पूर्ण यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

उपकरण :– प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतू षिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्ता के मापन हेतू डॉ. रविन्दर कौर, सरबजीत कौर रानू, सरबजीत कौर बरार द्वारा निर्मित व्यवसायिक प्रतिबद्धता मापनी, षिक्षकों के शैक्षिक प्रर्दषन मुल्यांकन मापन हेतू स्वनिर्मित प्रष्नावली सूची का प्रयोग किया गया।

प्रदतो का सांख्यकीय विष्लेषण एवं व्याख्या

H_{01} प्रस्तुत शोध अध्ययन द्वारा उच्चतर माध्यमिक विधालय के षिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता एवं शैक्षिक प्रदर्षन एवं मूल्यांकन के मध्य सार्थक सह–सम्बंध नही पाया जायेगा प्रदत्तों के विष्लेषण के लिये Pearsons Corrilation Cofficient की संगणना की गई इस संगणना से प्राप्त सारांष को तालिका क्रमांक 02 में दर्षाया गया है।

तलिका–02
व्यवसायिक प्रतिबधता एवं शैक्षिक प्रदर्षन एवं मूल्यांकन के मध्य सह–सम्बंध

चर	N	मध्यमान	r
व्यवसायिक प्रतिबद्धता	100	145.67	0.163**
शैक्षिक प्रर्दषन एवं मुल्यांकन	100	142.80	

**0.01 स्तर पर सार्थक

तालिका क्रमांक 02 से यह स्पष्ट होता है कि सहसम्बंध गुणांक 0.163 पाया गया। यह सह–सम्बंध गुणाक धनात्मक एवं 0.01 स्तर पर सार्थक पाया गया इससे यह कहा जा सकता है कि जैसे–जैसे षिक्षकों में व्यवसायिक प्रतिबद्धता बढती है वैसे–वैसे उनमें शैक्षिक प्रर्दषन एवं मुल्यांकन भी बढता है तथा जैसे–जैसे षिक्षकों में व्यवसायिक प्रतिबद्धता कम होती है वैसे–वैसे उनमें शैक्षिक प्रर्दषन एवं मूल्यांकन भी कम होता है।

निष्कर्ष :– उच्च्तर माध्यमिक विधालय के षिक्षकों के व्यवसायिक प्रतिबद्धता एवं शैक्षिक प्रर्दषन एवं मूल्यांकन के मध्य सार्थक सह–सम्बंध पाया गया जैसे–जैसे षिक्षकों में व्यवसायिक प्रतिबद्धता उच्च होती है। वैसे–वैसे उनमें शैक्षिक प्रर्दषन एवं मूल्यांकन भी उच्च होता है। इससे षिक्षकों में नये विचार तर्क–विर्तक में मदद मिलती है। सहानुभूति, मित्रता, भागीदारी जैसे व्यवहार सामाजिक कार्यों में सहयता प्रदान करते है। जिससें सीखने का सकारात्मक वातावरण विकसित होता है। जो आत्मविष्वास को बढाने अपने कार्यो को प्राथमिकता देने व समन्वयिन करने में तथा अपने लक्ष्य पर टिके रहने में मदद करती है।

संर्दभ ग्रंथ–

Maheshwari, A. (2004) Professional Commitment of Secondary School Teacher. *Indian Educational Abstracts* ; 4(1), 84-86

Pandey, K.P (2005) Fundamental of Educational Research. *Varanasi Vishwa Vidhyalaya Pracashan.*

Bashir. L. (2017) Job Satisfaction of Teachers in Relation to Professional. *Commitment Inter National Journal of Indian Psychology*, 4 (4). 52-59.

Gill, P.K. & Kaur (2017) A Study of Professional Commitment among Senior Secondary School Teacher. *International Journal of Adult Education & Research*, 2 (4) ; 253-257.

Kaur, R. Ranu. S.K. & Brar, S.k. (2011) Manual of Professional Commitment Scale for Teachers. *National Psychological Corporation Agra.*

Denkkar, O. P. & Damcye, J. (2006) Teacher Characteristics and Teaching Styles as Effectiveness. *Enhancing Factory of class room practice teaching and teacher education.* 22.